LSTV
लोक सभा
THE HINDU
Times of India
ध्येयIAS
most trusted since 2003
Daily News Scan
(DNS)
The Indian EXPRESS
JOURNALISM OF COURAGE
RSTV
RAJYA SABHA
ET
जागरण

most trusted since 2003

Address: Plot No. A-12,13, Flat No. 201, 2nd Floor, Ansal Building, Mukherjee Nagar, New Delhi, Delhi 110009
Phone No: 011-47354625/ 26, 9205274741/42, 011-49274400

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के 7 नए क्षेत्र
(7 New Circles of Archaeological Survey of India)

भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय ने भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के 7 नए क्षेत्रों की घोषणा की है....एक वीडियो संदेश में संस्कृति और पर्यटन मंत्री, प्रहलाद सिंह पटेल ने इस फैसले के बारे में जानकारी दी...

पुरातात्विक स्मारकों के पंजीकरण और संरक्षण की प्रक्रिया को सुविधाजनक और मजबूत बनाने के लिए प्रधानमंत्री मोदी के आह्वान के अनुसार ही यह कदम उठाया गया है. इससे पहले, पूरे भारत में 29 उनतीस ASI सर्कल थे...

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के 7 नए क्षेत्र मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, कर्नाटक और गुजरात में बनाए गए हैं...

इन राज्यों में जिन स्थानों पर नए क्षेत्रों की घोषणा की गई है, उनके नाम हैं:

रायगंज , त्रिची , राजकोट, झांसी, जबलपुर, मेरठ, हम्पी (उप-क्षेत्र जिसे अब एक नया पूर्ण सर्कल बनाया गया है)

इन नए क्षेत्रों की व्याख्या करते हुए, केंद्रीय मंत्री ने इन स्थानों के महत्व और पुरातात्विक स्मारकों को संरक्षित करने की आवश्यकता के बारे में भी बताया.

चूंकि तमिलनाडु में चोल राजाओं के हजारों मंदिर और शानदार यादें हैं, इसलिए त्रिची को सरकार ने चेन्नई के क्षेत्र के साथ एक नया क्षेत्र बना दिया है.

कर्नाटक में, क्योंकि हम्पी शहर पुरातात्विक विरासत के दृष्टिकोण के अनुसार अंतर्राष्ट्रीय महत्व का स्थान है, इसलिए मंत्रालय ने हम्पी को उप-क्षेत्र से एक नया पूर्ण क्षेत्र बनाने का फैसला किया.

पश्चिम बंगाल के रायगंज को भी कोलकाता के साथ एक नए क्षेत्र के तौर पर बनाया गया है और यह भौगोलिक असुविधा को भी खत्म कर देगा.

गुजरात में राजकोट को वडोदरा के साथ एक नए क्षेत्र के तौर पर घोषित किया गया है.

मध्य प्रदेश में, जबलपुर को भोपाल के साथ एक नए क्षेत्र के तौर पर घोषित किया गया है. इसमें रीवा, जबलपुर, सागर, शहडोल संभागों के स्मारक भी शामिल होंगे.

उत्तर प्रदेश में, पश्चिमी यूपी के मेरठ और बुंदेलखंड में झांसी को आगरा और लखनऊ के साथ दो नए क्षेत्रों के तौर पर घोषित किया गया है.

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण

यह राष्ट्र की सांस्कृतिक विरासतों के पुरातत्वीय अनुसंधान तथा संरक्षण के लिए एक प्रमुख संगठन है ....भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण का प्रमुख कार्य राष्ट्रीय महत्व के प्राचीन स्मारकों तथा पुरातत्वीय स्थलों और अवशेषों का रखरखाव करना है। इसके अतिरिक्त, प्राचीन संस्मारक तथा पुरातत्वीय स्थल और अवशेष अधिनियम, 1958 अठावन के प्रावधानों के अनुसार यह देश में सभी पुरातत्वीय

Downloaded From: www.dhyeyaias.com

Address: Plot No. A-12,13, Flat No. 201, 2nd Floor, Ansal Building, Mukherjee Nagar, New Delhi, Delhi 110009
Phone No: 011-47354625/ 26, 9205274741/42, 011-49274400

गतिविधियों को विनियमित करता है। यह पुरावशेष तथा बहुमूल्य कलाकृति अधिनियम, 1972 बहत्तर को भी विनियमित करता है। राष्ट्रीय महत्व के प्राचीन स्मारकों तथा पुरातत्वीय स्थलों तथा अवशेषों के रखरखाव के लिए सम्पूर्ण देश को 24 मंडलों में विभाजित किया गया है। संगठन के पास मंडलों, संग्रहालयों, उत्खनन शाखाओं, प्रागैतिहासिक शाखा, पुरालेख शाखाओं, विज्ञान शाखा, उद्यान शाखा, भवन सर्वेक्षण परियोजना, मंदिर सर्वेक्षण परियोजनाओं तथा अन्तरजलीय पुरातत्व स्कन्ध के माध्यम से पुरातत्वीय अनुसंधान परियोजनाओं के संचालन के लिए बड़ी संख्या में प्रशिक्षित पुरातत्वविदों, संरक्षकों, पुरालेखविदों, वास्तुकारों तथा वैज्ञानिकों का कार्य दल है।

DHYEYAIAS.COM

Downloaded From: www.dhyeyaias.com

Dhyeya IAS Now on Telegram

Join Dhyeya IAS Telegram Channel from link the given below

https://t.me/dhyeya_ias_study_material

नोट : पहले अपने फ़ोन में टेलीग्राम App Play Store से Install कर ले उसके बाद लिंक में क्लिक करें जिससे सीधे आप हमारे चैनल में पहुँच जायेंगे।

You can also join Telegram Channel through our website

www.dhyeyaias.com

www.dhyeyaias.com/hindi

most trusted since 2003

Address: 635, Ground Floor, Main Road, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi 110009
Phone No: 011-47354625/ 26 , 9205274741/42, 011-49274400

Subscribe Dhyeya IAS Email Newsletter
(ध्येय IAS ई-मेल न्यूजलेटर सब्स्क्राइब करें)

जो विद्यार्थी ध्येय IAS के व्हाट्सएप ग्रुप (Whatsapp Group) से जुड़े हुये हैं और उनको दैनिक अध्ययन सामग्री प्राप्त होने में समस्या हो रही है | तो आप हमारेईमेल लिंक Subscribe कर ले इससे आपको प्रतिदिन अध्ययन सामग्री का लिंक मेल में प्राप्त होता रहेगा | **ईमेल से Subscribe करने के बाद मेल में प्राप्त लिंक को क्लिक करके पुष्टि (Verify) जरूर करें अन्यथा आपको प्रतिदिन मेल में अध्ययन सामग्री प्राप्त नहीं होगी |**

नोट (Note): अगर आपको हिंदी और अंग्रेजी दोनों माध्यम में अध्ययन सामग्री प्राप्त करनी है, तो आपको दोनों में अपनी ईमेल से Subscribe करना पड़ेगा | आप दोनों माध्यम के लिए एक ही ईमेल से जुड़ सकते हैं |

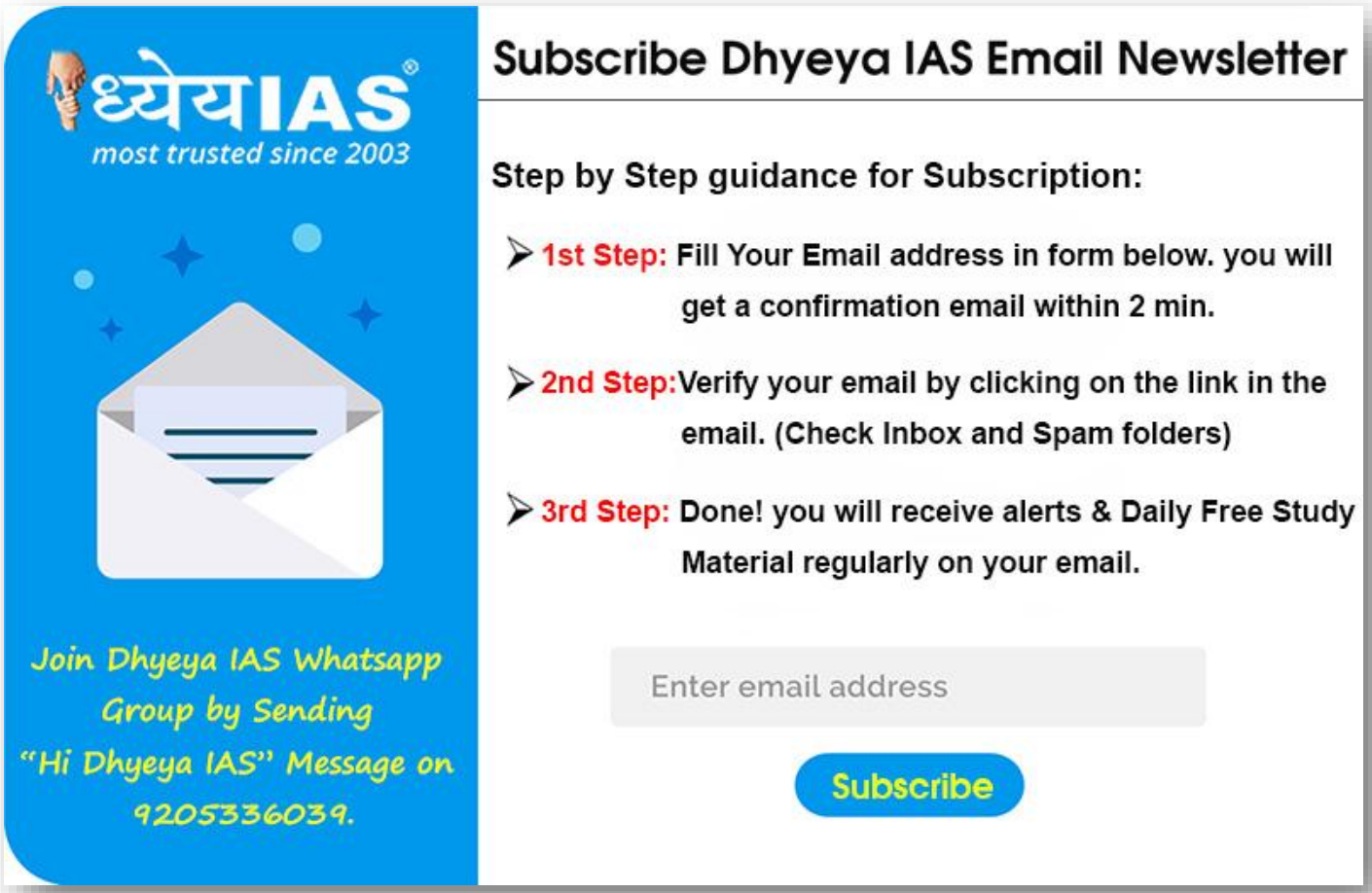

ध्येय IAS
most trusted since 2003
Address: 635, Ground Floor, Main Road, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi 110009
Phone No: 011-47354625/ 26 , 9205274741/42, 011-49274400